9 अक्टूबर 2017 को मध्य प्रदेश के खुड़ैल, इंदौर, में केन्द्रीय सड़क निधि से बनाई जाने वाली सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. आज इन्दौर में केन्द्रीय सड़क निधि से बनाई जाने वाली यहां की चार सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, पोत परिवहन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री श्री नितिन गडकरी यहां उपस्थित हैं। उन्होंने केन्द्रीय सड़क निधि से बनने वाले इन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण हेतु हमारे निवेदन को स्वीकार करते हुए मंत्रालय को तदनुरूप निर्देश दिया है। यह माननीय नितिन जी के व्यक्तिगत तौर पर रूचि लेकर कार्य करने के तरीके, लगन एवं दृढ़संकल्प का ही परिणाम है। आज सुबह में ही हमने इन्दौर बाईपास के साथ–साथ लगभग 32 किलोमीटर लम्बे सर्विस रोड और TRUBA कॉलेज के निकट अंडरपास के निर्माण कार्य सहित सड़क किनारे के खुले नालों को ढकने एवं सम्पूर्ण सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य का भी शुभारम्भ किया है। इन कार्यों के पूर्ण होने से इन्दौर एवं इसके आस–पास की समस्त जनता को लाभ मिलेगा। जनकल्याण को दृष्टिगत रखते हुए हम अभी यहां खुड़ैल में केन्द्रीय सड़क निधि से बनने वाली उपयोगी सड़कों का शिलान्यास करने के लिए एकत्रित हुए हैं।

2. केन्द्रीय सड़क निधि (CRF) के अंतर्गत आज यहां दो सड़कों नामतः

(1) तिल्लौर खुर्द–पिपलदा–कम्पेल–खुड़ैल सेमल्या चाउ–तनोरिया रोड और

(2) खण्डेल–सेमलिया रायमल–शाहदादेव–खरादिया–मोरोद हाट–नेमावर (कुल लम्बाई 52.98 कि.मी.) के निर्माण कार्य का शुभारंभ होने जा रहा है।

लगभग 53 किलोमीटर लम्बाई की इन सड़कों के निर्माण पर लगभग 70.45 करोड़ रु. का खर्च अनुमानित है। ये सड़कें उपयोगिता की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं और मेरे संसदीय क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रही जनता के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होंगी।

3. कहा जाता है कि सड़कें गांव–गांव, शहर–शहर ही नहीं जोड़ती हैं बल्कि ये लोगों, सभ्यताओं और संस्कृतियों को जोड़ती हैं। It is the basic strength for synthesized growth of an State. सड़कें आर्थिक एवं सामाजिक सुविधाओं में भी वृद्धि का कारक होती है। हम सभी जानते हैं कि दुनिया की जितनी भी सभ्यताएं हैं, वे नदी और सड़कों के माध्यम से ही फली–फूली थीं। लगभग हरेक सभ्यताओं में अच्छी सड़कें पाई गई हैं। प्राचीन काल में भी रोम एवं भारत के शासकों ने इसकी महत्ता को समझा था तथा उन्होंने जहां भी अपने साम्राज्य का विस्तार किया तो उन्होंने सड़कों की स्थिति को सुधारा एवं अपने साम्राज्य के सुदूर क्षेत्रों को भी अपनी राजधानियों से जोड़ा। भारत में सम्राट अशोक, शेरशाह सूरी जैसे शासक इस बात के उदाहरण हैं। उन्होंने बहुत पहले ही सड़कों की महत्ता को समझ लिया था। अच्छी सड़कें देश के विकास के लिए आवश्यक हैं।

4. प्राचीन एवं मध्य काल में सड़क के अलावा जल मार्ग से भी मसालों, वस्त्रों इत्यादि का व्यापार भारत से मध्य पूर्व एशिया होते हुए यूरोप तक हुआ करता था। ये अंतर्राष्ट्रीय मार्ग व्यापार के साथ–साथ धर्म, सभ्यता, संस्कृति और रहन–सहन के आपसी समन्वयन के सूत्रधार के रूप में काम करते थे। भारत से ढाका का मलमल

और भागलपुर का रेशम सिल्क रूट से चीन और यूरोप जाया करता था। इस प्रकार पहली बार पूर्व का पश्चिम से मिलन हुआ तथा दोनों संस्कृतियों में आपसी exchange संभव हुआ और दोनों संस्कृतियों ने एक–दूसरे की अच्छाइयों को आत्मसात् किया। कुषाण राजा कनिष्क द्वारा ऐसे मार्गों का विशेष ध्यान रखा गया तथा सिल्क रोड आने वाले समय में मुख्य मार्ग बनकर उभरा।

5. आज हम पूरे विश्व को एक ग्लोबल विलेज मानते हैं। प्राचीन काल में भी व्यापार परम्परा में इस बात को इंगित किया गया था। शहरी व्यापारिक नेटवर्क तैयार करने में मेसोपोटामिया, मिस्र, सिंधु घाटी सभ्यता में भी सड़कों का विशेष महत्व था। सबसे खास बात यह थी कि इन सभ्यताओं में सड़कें एक–दूसरे को समकोण पर काटती थीं एवं उनके किनारे मुसाफिरों के आराम करने के उद्देश्य से घने वृक्ष लगाए जाते थे। आज परिस्थितियां बदलीं हैं लेकिन आवश्यकताएं अभी भी उतनी ही हैं। सड़क मार्ग का प्रयोग करने वाले यात्रियों की किस प्रकार से अधिकाधिक मूलभूत सुविधाएं सस्ते दर पर कराया जाए, यह चिंतन का विषय है। मैं मानती हूं कि सड़क मार्ग से यात्रा करने की सुलभता के साथ–साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना भी शासन का कर्त्तव्य है। माननीय सड़क परिवहन मंत्री जी बहुत अनुभवी एवं संवेदनशील हैं। हम सब जानते हैं कि वे सड़क निर्माण के साथ–साथ यात्रियों की सुविधाओं से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था पर भी कार्य कर रहे हैं।

6. आज सड़कों की लम्बाई की दृष्टि से हमारा देश पूरे संसार में दूसरे नम्बर पर है। परंतु, केवल लम्बाई ही महत्वपूर्ण नहीं है। उसका टिकाऊ एवं सुरक्षित होना भी महत्वपूर्ण है। गुणवत्ता की दृष्टि से इसमें सुधार की गुंजाइश है। मेरा मानना है कि रेल मार्ग की भांति सड़क परिवहन के लिए बने नए राजमार्ग भविष्य के

professional hub के रूप में उभरेंगे। अतः, न केवल राजमार्ग निर्माण बल्कि उसके दोनों ओर भी सभी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के निर्माण के साथ–साथ पेड़ लगाने का कार्य किया जा रहा है, इससे हमारा समग्र एवं समेकित विकास का हमारा स्वप्न पूर्ण होगा। सड़क के किनारे लगे वृक्ष न केवल वायु बल्कि ध्वनि प्रदूषण पर भी नियंत्रण कर पाने में समर्थ हैं।

7. महान दूरदर्शी राजनीतिज्ञ एवं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी का सपना था कि भारत के एक–एक गांव सड़क के माध्यम से आपस में जुड़ें ताकि विकास की किरण हर गांव तक पहुंचे। उन्होंने इसके लिए ''प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना'' की शुरूआत की थी। इस योजना पर प्रभावी ढंग से काम हुआ है और वर्तमान में भी द्रुत गति से काम चल रहा है। उन्होंने ''ईस्ट–वेस्ट कॉरीडोर'' एवं ''गोल्डन क्वाड्रिलैटरल रोड्स'' नामक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना की नींव भी रखी थी, जिस पर भी निरंतर काम चल रहा है। वर्तमान सरकार भी इसी तर्ज पर लुक ईस्ट और एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत भारत–म्यांमार–थाइलैंड तक के सड़क मार्ग के विकास की दिशा में काम कर रही है, यह उत्साहवर्द्धक है।

8. मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि जनहित के इन कार्यों के पूर्ण होने पर इन्दौर की जनता को एक सुन्दर, सुखद, सुज्जित, व्यवस्थित एवं आधुनिक इन्दौर में जीने का अवसर मिलेगा एवं वे अपने–आपमें गर्व का अनुभव करेंगे कि हम इस हरे भरे, स्मार्ट, प्रकृति एवं पर्यावरण प्रेमी शहर में रह रहे हैं, जो अन्य जिलों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है।

9. केन्द्रीय सड़क निधि से बनाई गई इन सड़कों के निर्माण से इन्दौर एवं उसके आस–पास के निवासियों को न केवल बेहतर सड़क अवसंरचना मिलेगी बल्कि

उनका जीवन सुखद, अधिक सुरक्षित, आधुनिक और विकसित होगा। मैं माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी का पुनः आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने अपना कीमती समय निकालकर यहां पधारने की कृपा की।

धन्यवाद।

———